प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय से २२ कार्मिक सेवानिवृत्त

पंतनगर। 31 दिसम्बर 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज 22 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको डा. रतन सिंह आडोटोरियम में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ प्रदान किये तथा उनके पेंशन व ग्रेच्युटी प्रपत्र एवं सामान्य भविष्य निधि की राशि के चेक दिये। उप-वित्त नियंत्रक, श्री जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कुलपति डा. तेज प्रताप ने सभी को नये साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम विश्व में आप सभी लोगों के सहयोग से ही हो पाया है, जिन्होंने अपनी पूरी जिन्दगी इस विश्वविद्यालय के लिए लगा दी। उन्होंने कहा कि संस्थायें ईट और गारे से नही बनती बल्कि उस संस्था में कार्यरत कर्मचारियों से बनती है और ये विश्वविद्यालय अन्नतकाल तक चलने वाली संस्था है। हम जो भी वर्तमान में कार्य करते है उससे संस्थाऐं एक कदम आगे बढ़ जाती हैं। विगत 58 वर्ष का इतिहास इस बात का गवाह है। उन्होंने लगातार और अधिक संख्या में सेवानिवृत्त होते कर्मचारियों की कमी को लेकर चिंता जतायी। डा. तेज प्रताप ने इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सुखी एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा; निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, श्री कामेन्द्र सिंह; अधिष्ठाता पशु चिकित्सा, डा. जी.के सिंह; विभागाध्यक्ष अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, डा. एस.एच. चावला; एवं निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; इत्यादि ने भी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में से डा. धीर सिंह, एवं डा. हुतेन्द्र सिंह कुशवाहा ने भी अपने उद्गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. धीर सिंह, डा. हुतेन्द्र सिंह कुशवाहा, डा. सुरेन्द्र पाल सिंह, डा. पी.सी. पाण्डे एवं डा. पी.के. श्रोतिया, प्राध्यापक; श्री उमाकान्त जोशी, प्रशासनिक अधिकारी; श्री मार्कण्डेश्वर सिंह, लेखाकार; श्री लखनलाल पाल, प्रधान सहायक; श्री रामेश्वर प्रसाद, भण्डारक; श्री भगवान दास, पम्प चालक; श्री छेदी प्रसाद, कारपेन्टर; श्री आदर्श कुमार कुलश्रेष्ठ, लोहार; श्री जे.एस. राणा, पत्रवाहक; श्री दूबर अली एवं श्री लालजी महतो, सुरक्षा चौकीदार; तथा श्री चिन्ता यादव, श्री सुकरा, श्री रामेश्वर, श्री रामभरत, श्री राम बहादुर, श्री भगवानी एवं श्रीमती समुन्द्री, कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के साथ कुलपति, डा. तेज प्रताप एवं अन्य अधिकारी।